राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

31.03.2019

राष्ट्रीय संगोष्ठी "जल: मानवता की अतृप्त प्यास"
(Water: Unquenchable Thirst of Mankind)
की आख्या

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुदानित राष्ट्रीय संगोष्ठी "जल: मानवता की अतृप्त प्यास" का आयोजन राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में दिनांक 31 मार्च 2019 को किया गया। इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री अम्बरीश चंद चौबे पूर्व मुख्य महानिदेशक वन संरक्षण विभाग राजस्थान सरकार रहे।

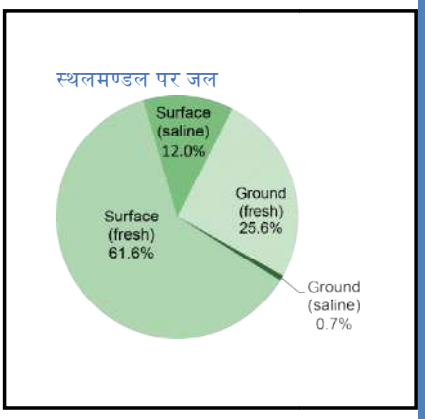

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सविता भारद्वाज ने संगोष्ठी में आए हुए अतिथियों, विद्वानों , प्राध्यापकों, शोधकर्ताओं का स्वागत करते हुए पृथ्वी पर अस्तित्व के संकट तथा मानव प्रजाति की विशिष्टता का उल्लेख करते हुए आह्वान किया कि इस परिचर्चा से निकले सूत्र समूची मानवता के लिए कल्याणकारी हों; ऐसी सार्थक चर्चा की जाए। इस संगोष्ठी के संयोजक डॉ संतन कुमार राम ने इस समागम के उद्देश्य, रुपरेखा तथा तकनीकी सत्रों की कार्य योजना प्रस्तुत की। इस अवसर पर बीएचयू दर्शनशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष तथा कार्यक्रम में सारस्वत वक्ता के रूप में आमंत्रित प्रोफ़ेसर देवव्रत चौबे ने गांधीवादी दर्शन तथा विवेकानंद के चिंतन को आधुनिक संसाधन असंतुलन को साधने के अचूक उपाय के रूप में व्यवहार में लाने की सलाह दी। बीज वक्ता के रूप में प्रोसेसर आनंद दिपायन मिश्रा भूगोल विभाग बी.एच.यू. ने लोक नीति एवं कॉरपोरेट जगत के विरोधाभास को सामने रखते हुए वृहद जन सरकारों के लिए नीति निर्माण की आवाज उठाई। मुख्य अतिथि श्री अमरीश चंद्र चौबे जी ने बढ़ती हुई जनसंख्या

Programme Schedule

8.00: Registration

9.00: Inaugural Session

Chief Guest : Shri AmbrishChaubey, IFS (Retired), Ex. PCCF, Rajsthan

Keynote Speaker: Dr AP Mishra, Professor of Geography, BHU

10.30 Tea

11.00 Plenary Session

Dr SarfarajAlam, Assoc. Professor, Department of Geography, BHU

Prof D.B. Chaubey

Dr AkhilendraNath Tiwari, Department of

Notable Papers

Towards a rational Water Policy for regional Development: Prof A.P. Mishra BHU

Water Management in Harrapan Civilization- Dr Vikash Singh

Rehydration of athlete before, during and after physical activity- Dr SS Prasad

Hydro politics in South Asia- Dr SarafrajAlam BHU

भारतीय संगीत में जल तत्वः डा. प्रिया मुखर्जी

Fresh Water Resource: Source, Use, Threat and management- Dr B N Pandey

रहिमन पानी राखिए- डा.शशिकला

Water borne disease in Giardia- Drsanjay Kr Gupt

Global Warming and water Resources: Omprakash Bharti

संस्कृत साहित्य में जल संरक्षण का संदेशः डा. साधना मौर्या

Watershed development programmes in India: VivekJaiswar BBAU Lucknow

Problems of Sanitation in Novels of MulkrajAnand: Dr SKS Pandey

Arsenic Problem in Water in Ballia UP: Arvind Srivastava

Unquenchable thirst of Rihand Dam: UroojFatma

मध्यकालीन भारत में जल संरक्षण के प्रयासः सारिका सिंह

Changing dimension of water in Recent Agricultural Activities: Tanushree

आर्ष ग्रंथों में जल चिंतनः राघवेन्द्र प्रताप सिंह

तथा संसाधन उपलब्धता व्युतक्रमानुपाती संबंधों की ओर इशारा करते हुए आबादी नियंत्रण को मूल मंत्र के रूप में अपनाने की सलाह दी।

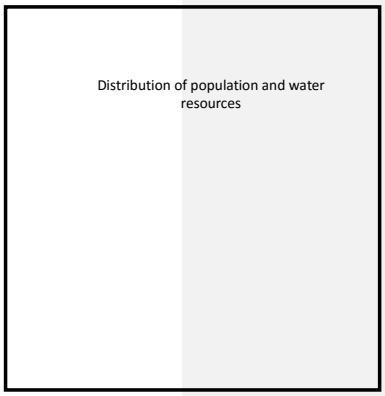

प्रस्तावना सत्र में भूगर्भ वैज्ञानिक डॉक्टर सतेंद्र सिंह ने जल के विविध आयाम जल प्रदूषण तथा जल संरक्षण की चर्चा की भी बीएचयू से आए जनवादी भूगोलवेत्ता डॉ सरफराज आलम ने दक्षिण एशिया में जल की राजनीति, उसके व्यवहार तथा अंतर्राष्ट्रीय संधियों-समझौतों एवं घोषणापत्रों के अनुरूप भारत से पडोसी देशो का नदी जल वितरण स्पष्ट किया। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा-बिहार से आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वान अखिलेन्द्र नाथ तिवारी ने जल के वितरण, उपलब्धता, संरक्षण के उपाय तथा नवीन जल संरक्षण तकनीकों को विद्वानों के समक्ष प्रस्तुत किया। जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय छपरा बिहार से आए दर्शनशास्त्री डॉ सुशील कुमार श्रीवास्तव ने भारतीय दर्शन परंपरा एवं मूल्यों में जल संरक्षण पर विस्तार से प्रकाश डाला।

भोजन अवकाश के बाद दो समानांतर तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया जिसमें 29 शोध पत्र विभिन्न विश्वविद्यालयों

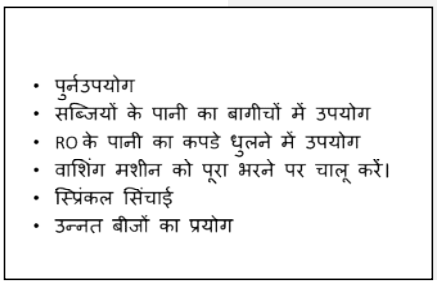

महाविद्यालयों से आए हुए शोधकर्ताओं ने प्रस्तुत किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ विवेक कुमार पांडे एसो. प्रोसेसर काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने की जिसमें सह-अध्यक्ष डॉ रमेश यादव तथा रिपोर्टायर का दायित्व निर्वहन डॉ. शिव कुमार द्वारा किया गया। इस सत्र में शुचि राय, अतुल कुमार त्रिपाठी, विनय प्रकाश, डॉ अकबरे आजम, कुमारी सविता, नूर सबा, डॉ विकास सिंह, वंदना यादव, डा संगीता मौर्य, एखलाक खान, पूजा सिंह, हरेंद्र यादव तथा डॉ शंभू शरण प्रसाद ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता का डॉ सत्येंद्र सिंह, सह अध्यक्षडॉ दीपा वर्मा, रिपोतार्जन डा निरंजन कुमार ने किया। इस सत्र में डॉ दीप्ति सिंह, डॉ. बी एन पांडे, ऊरूज फात्मा, राघवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ जगदेव प्रसाद, डा अनिता कुमारी, सुशील कुमार, संदीप सरोज, कुमारी सुनीता, डॉक्टर कौशल किशोर श्रीवास्तव, डा शैलेंद्र यादव, डॉ सारिका सिंह, डॉ शशिकांत पांडे, कमलेश कुमार डा शशिकला जायसवाल, पुष्कर कुमार, तथा घनश्याम कुशवाहा ने अपने शोध पत्र पढे.।
समापन सत्र में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र वाचन के हेतु "डा..रजनी सिंह स्मृति पुरस्कार" राघवेंद्र प्रताप सिंह को प्रदान किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर सविता भारद्वाज जी ने की, काहिविवि से आए हुए डॉ आशीष पांडे तथा राजकीय महाविद्यालय हम बारी आजमगढ़ से पधारी डॉ साधना मौर्य इस अवसर के विशिष्ट अतिथि रहे। धंयवाद ज्ञापित करते हुए वरिष्ठतम प्राध्यापक डॉ दीप्ति सिंह ने बताया कि संगोष्ठी में 3 राज्योंमहाराष्ट्र, बिहार, झारखण्ड तथाउत्तर प्रदेश के 07विश्वविद्यालयों तथा 32 महाविद्यालयों से आये 150 से अधिक विद्वानों शोधार्थियों ने शिरकत की । आपने धन्यवाद देते हुए यह भी सूचित किया कि इस संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्रों को एक पुस्तक के रूप में शीघ्र प्रकाशित किया जायेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय परिवार की तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के कठोर श्रम का उन्होंने अभिवादन-अभिनन्दन किया ।

विचार बिन्दु / निष्कर्ष

- गांधीवादी दर्शन तथा विवेकानंद के चिंतन को आधुनिक संसाधन असंतुलन को साधने का अचूक उपाय के रूप में व्यवहार में लाने की सलाह ।
- लोक नीति एवं कॉरपोरेट जगत के विरोधाभास को देखते हुए वृहद जन सरकारों के लिए नीति निर्माण की आवश्यकता।
- बढ़ती हुई जनसंख्या तथा संसाधन उपलब्धता व्युतक्रमानुपाती संबंधों का मूल्यांकन करते हुए आबादी नियंत्रण को मूल मंत्र के रूप में अपनाने की सलाह दी गई ।
- जल प्रदूषण तथा जल संरक्षण से निपटने हेतु ठोस नीति की आवश्यकता।
- दक्षिण एशिया में जल की राजनीति, उसके व्यवहार तथा अंतर्राष्ट्रीय संधियों- समझौतों एवं घोषणापत्रों के अनुरूप भारत से पडोसी देशो का नदी जल वितरण सुनिश्चत किया जाये ।
- नवीन जल संरक्षण तकनीकों को आम लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया जाये तथा जनजागरूकता हेतु उपाय किये जाएं ।
- **जल की बरबादी रोकना हम सबके लिए गंभीर चुनौती बन गयी है| हर क्षेत्र में जल के होते दुरुपयोग के प्रति सजग होना सभी नागरिकों की जिम्मेदार है और यह काम पूरी निष्ठा और शिद्दत के साथ करना होगा|**

- वाहितजल एवंऔद्योगिकबहिःस्रावोंकोजलस्रोतोंमेंबहानेसेपहलेसाफकियाजानाचाहिए।
- जलकारिसाइक्लिंग–जलप्रदूषणकोरोकने के लिएप्रदूषितजलमेंउपस्थितअनेकप्रदूषकतत्वों, अपशिष्टपदार्थों के रिसाइक्लिंगकरकेइसकेउप–उत्पादोंकाउचितउपयोगभीकियाजासकताहै।
- पूरे शहर के लिए एकीकृतजलसप्लाई एवंसीवेजसिस्टमकाप्रबन्ध होनाचाहिए।
- गंगा के जलस्तरकोबनाये रखनेहेतुउचितप्रबन्ध करनाचाहिए।
- तालाबों एवंकुण्डोंकोभूमाफियाओं के चंगुलसेछुड़ाकरइसेसार्वजनिक घोषितकियाजानाचाहिए।
- जिन क्षेत्रोंमेंहैण्डपम्पसूख जातेहैंवहाँ नगरनिगम द्वाराप्याऊ या ओवरहेडटैंकबनवानाचाहिए।

Formatted: Bulleted + Level: 1 + Aligned at: 0.25" + Indent at: 0.5", Tab stops: Not at 0.5"

- आर्सेनिक एवं एल्यूमिनियम जल प्रभावित क्षेत्रों हेतु गहरी बोरिंग, फील्टर की व्यवस्था हो।
- नदियों को जोडनेकी परियोजनाओ को समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाये।

राजकीय महिलास्नातकोत्तरमहाविद्यालय, गाजीपुर।

राश्ट्रीय सेमीनारहेतुप्राप्तअनुदानकाउपभोगप्रमाण–पत्र

सत्र	अनुदानआवंटनकापत्रांक एवंदिनांक	अनुदान की कुल धनराि	अनुदानउपभोगकी अन्तिमतिथि	उपभोग की तिथि	उपभोग की गयी धनराि	उपभोग के बाद भोश धनराि
2016-17	कोईअनुदानआवंटननहीं	लागूनहीं	लागूनहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागूनहीं
2017-18	कोईअनुदानआवंटननहीं	लागूनहीं	लागूनहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागूनहीं
2018-19	सं0–264 / सत्तर–5–2019 –74(5) / 2017, 09 मार्च 2019	70,000.00(रू0 सत्तरहजारमात्र)	31 मार्च 2019	31 मार्च 2019	70,000.00	0 0 . (

प्रमाणित कियाजाताहैकिवित्तीय वर्षों 2016–17 एवं 2017–18 मेंसेमिनारहेतुकोईअनुदानप्राप्तनहींहुआतथावित्तीय वर्ष 2018–19 के अनुदान सं0 73 के लेखा शीर्षक 2202–03–103–05–42 मेंदिनांक 09 मार्च 2019 कोपत्रांक
सं0–264 / सत्तर–5–2019–74(5) / 2017द्वाराप्राप्तअनुदानकाउपभोगनियमानुसारप्राप्तआदेशोकासम्यकपालनकरतेहुए कियागयाहै।

श्रीसंतनकुमारराम (प्रो0 सविताभारद्वाज)
संयोजकप्राचार्य
राज0महिला स्नातको0 महाविद्यालय,
गाजीपुर

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

(Water: Unquenchable Thirst of Mankind)

31.03.2019

List of Experts in National Seminar

Session	Seminar/ Workshop/Symposium	Subject Expert and Designation and Address	Mobile Email id
2016-17	No	NA	NA
2017-18	No	NA	NA
2018-19	Water: Unquenchable Thirst of Mankind	1 Dr.A.P.Mishra, Professor	Mob-9935770046adeepayan@gmail.com Deptt. Of Geography BHU
		2 Dr.AkhilendraNath Tiwari, HOD	Mob. 9818425676 antiwary2000@gmail.com Deptt. Of Geography, SVP College, Bhabua-Bihar
		3 Dr.Sushil Ku Srivastava, Assot. Prof	Mob. 9430291377sushiljpu18@gmail.com Faculty of Arts Jaiprakash Narayan University Chhapra
		4 Dr.UdayPaswan, Principal	Mob. 9795513416 udaypaswanp@gmail.com Sri Bajrang PG College DadarSikanderpurBallia
		5 Dr.SarafrazAlam Associate Professor	Mob. 9454160999 Sarfarazalam05@gmail.com Deptt. Of Geography BHU
		6 Dr. Ramesh Yadav HOD	Mob. 8520027825 Ramesh71281@gmail.com Deptt. Of Hindi Government Degree College Jammalmadugu,KaddapaAP
		7.Prof.D.B.Chaubey(Retired	Mob. 9918919757 Ex. HOD, Deptt. of Philosophy and Religion Faculty of Arts, BHU
		8 Dr DeepaVerma Associate Professor	Mob. 9532323366 deepaverma157@gmail.com Deptt. Of Home Science, GPS Govt. Mahila PG College AmbariAzamgarh
		9 Mr.AmbarishCa	Mob. 7742440000 chaubeyambarish2@gmail.com

		hubey IFS (Retired)	Chief Principal Forest Conservator, Govt. of Rajsthan
		10 Dr.Vivek Pandey Asst. Professor	Mob. 9451848497 drvkpandeyau@gmail.com Deptt. of Philosophy and Religion Faculty of Arts, BHU

उद्घाटन सत्रः स्वागत संबोधन, प्रो. सविता भारद्वाज

DrAkhilendraTiwari : Veer Kunwar Singh University, Ara- Bihar

दिमाग के बाद पेट की खुराक

डा विकास सिंहः हड़प्पा सभ्यता में जल प्रबंधन

सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र हेतु "डा. रजनी सिंह स्मृति पुरस्कार": राघवेन्द्र प्रताप सिंह

Alchemist: AkbareAzam, HOD Deptt. Of Chemistry-GGPGC, Ghazipur

Our Chief Guest: Shri Ambarish Chandra Chaubey IFS (Retd.) Ex Principal Conservator of Forest, Govt. of Rajsthan

Presenting Research Paper: SuchiRai, GGPGC Ghazipur